



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 438]

मई विलासी, बुधवार, अगस्त 1, 1990/शावण 10, 1912

No. 438) NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 1, 1990/SAVANA 10, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## विसंभालय

(ग्राफिक कार्य विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 25 जून, 1990

का.प्रा. 607 (ग्र.)—केन्द्रीय नरकार, निकाय निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 7 के माध्य पठित धारा 21 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथमतः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निकाय निर्माण (वो रुपण का निकाय जिसमें 75 प्रतिशत तांबा और 25 प्रतिशत निकल होगा, का मानक वजन और उपचार) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित की जायेंगी को प्रवृत्त होंगी।

2. अनुजात मानक वजन और उपचार—निकाय निर्माण ग्राफिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 के उपबहुओं के ग्रहीन टप्पित नियमिति अकिल भूल्य के गिनतों का गानक वजन और ऐसे नियमों के निर्माण में अनुजात उपचार वैषा द्वारा जैव मार्गी में विनियिष्ट है—

मार्गी

नियमों का अकिल मन्त्र	मानक वजन	उपचार अनुजात
वो रुपण	8 ग्राम	मानक वजन में नावे आर निकाय दानों के लिए 1/100 वो. भाग धन या ऋण, अर्थात् तावे की मात्रा में 74 प्रतिशत से 76 प्रतिशत का शीर निकाय की मात्रा में 24 प्रतिशत में 26 प्रतिशत का अन्तर हो सकता है।

[का. सं. 1/32/86-ग्रिका-II (1)]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATIONS

New Delhi, the 25th July, 1990

S.O. 607(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 read with section 7 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Coinage (Standard Weight and Remedy of the Coins of Two Rupees containing Copper 75% and Nickel 25%) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Standard weight and remedy allowed.—The standard weight of the coins of the following denomination coined under the provisions of section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), and the remedy allowed in the making of such coins shall be as specified in the Table below :—

## TABLE

Denomination of coin	Standard weight	Remedy allowed	
		In composition	In Standard weight
1	2	3	4
Two Rupees	8 grammes	1/100th plus or minus both for Copper and Nickel, that is to say, Copper could vary from 74% to 76% and Nickel from 24% to 26%.	1/40th plus or minus, that is to say, the weight could vary from 8.20 grammes to 7.80 grammes.

[F. No. 1/32/86-Coin II-(1)]

का. ना. 608 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए यह अवधारित करती है कि:—

(क) केन्द्रीय सरकार के प्रधीन जारी किए जाने के लिए दो रुपये के मूल्य वर्ग के सिक्कों का भी टकमाल में निर्माण किया जाएगा।

(ख) उपरोक्त मूल्य वर्ग के सिक्के निम्नलिखित विभाग, दिग्गजन और धातु संरचना के अनुरूप होंगे, अर्थात्:—

सिक्के का वर्ग मूल्य	विभाग और वाहरी व्याप	दातों की संख्या	धातु संरचना
दो रुपया	वृत्ताकार 28 मिलीमीटर	200 (सुरक्षा कोर)	तांवा-निकल तांवा—75 प्रतिशत निकल—25 प्रतिशत

## डिजाइन:

मुख्य भाग:—सिक्के के हस्त भाग पर अशोक स्तंष का निह शीर्ष होगा, जिसके नीचे “सत्यमेत्र जपते” सकेतिका अंकित होगी और उनी बाई परिधि में “भारत” शब्द और ऊपरी दाई परिधि में “इंडिया” शब्द पार्श्व में अंकित होगा। इसके पार्श्व में बाई निचली परिधि में सप्त शब्द और दाई निचली परिधि में “RUPEES” शब्द के साथ अन्तर्राष्ट्रीय अंक “2” अंकित मूल्य भी अंकित होगा। उक्त व्योग एक अष्टभुजीय घेरे में होगा।

पृष्ठ भाग:—सिक्के के हस्त भाग पर, ऊपरी परिधि के पार्श्व में भारत के राष्ट्रीय ध्वज के साथ “राष्ट्रीय एकता” उक्तीण लेख और दाई परिधि पर “NATIONAL INTEGRATION” उक्तीण लेख के साथ भारत का मानवित्र अंकित होगा। भारत के मानवित्र के नीचे सिक्के की निम्न दाई परिधि पर, सिक्के का निर्माण वर्ग दर्शित होगा। उक्त व्योग एक अष्टभुजीय घेरे में होगा।

सुरक्षा कोर:—सिक्के का किनारा दंतुरित या खड़ी रेखोंकीर्ण और सुरक्षा कोर के साथ रेखोंकीर्ण किया जाएगा। किनारे के बीच में खाली स्थान द्वारा पृष्ठ किए गए इसके दो सैकणों के भीतर डिजाइन के साथ एक उथला छाँचा होगा। डिजाइन उभार में दातों की प्रत्यक्षता के स्पष्ट में होगी और प्रत्येक दाते के बावजूद उभार में दो उत्थापित लाइन होंगी।

[फा. सं. 1/32/86-सिक्का-II (2)]

जी.एस. ग्रेवाल. विशेष अधिकारी (मुद्रा एवं सिक्का)

S.O. 608(E).—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby determines that :—

- (a) coins of the denomination of Two Rupees shall also be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government.
- (b) coins of the above denomination shall conform to the following dimension, design and metal composition, namely :—

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	Number of serrations	Metal Composition
Two Rupees	Circular 28 millimeters	200 (security edged)	Cupro-Nickel Copper 75% Nickel 25%

**Design :—**

Obverse.—This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar with legend “शश च जयते” inscribed below flanked on the left upper periphery with the word “राष्ट्र” and on the right upper periphery with the word “INDIA”. It shall also bear the denominational value “2” in international numeral flanked on the left lower periphery with the word “रुपये” and on the right lower periphery with the word “RUPEES”. The said details shall be encircled in an octogen.

Reverse.—This face of the coin shall bear the map of India with National Flag of India flanked on the upper periphery with the inscription “राष्ट्रीय ध्वनि” and on the right periphery with the inscription “NATIONAL INTEGRATION”. The year of the Coinage shall appear below the map of India on the lower right periphery of the coin. The said details shall be encircled in an octogen.

Security edging.—The edge of the coin shall be milled with a serrated or upright milling and security edging. In the centre of the edge there shall be a shallow groove with a design inside its two sections separated by black spaces. The design shall consist of chain of beads in relief and each bead being followed by two vertical lines in relief.

[F. No. 1/32/96-Coin II-(2)]

G.S. GREWAL, Special Officer  
(Currency & Coinage)

